रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 126 इंदौर, बुधवार 14 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे: पीएम

● आदमपुर एयरबेस से पीएम मोदी का कड़ा संदेश, जवानों को किया संबोधित

कहा-निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा विनाश...महाविनाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे जहां उन्होंने जवानों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा, आपने भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया; जब भारत माता की जय बोलते हैं तो दुश्मनों के कलेजे कांप जाते हैं। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया और कहा कि भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा विनाश और महाविनाश। पीएम मोदी ने कहा कि आपने पाकिस्तानी फौज को भी बता दिया कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकेंगे। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। और हमारे ड्रोन्स हमारी मिसाइलें उनके बारे में तो सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी।

सेना ने जो किया,अभूतपूर्व है,अकल्पनीय है और अद्भुत है

प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधा है और आपने भारत की सीमाओं की रक्षा की है, भारत के स्वाभिमान को नई ऊंचाई दी है। आपने वो किया है अभूतपूर्व है अकल्पनीय है और अद्भुत है, हमारी एयरफोर्स ने पाकिस्तान में इतना डीप आतंक को अड्डों को टारगेट किया सिर्फ 20-25 मिनट के भीतर सीमा पार लक्ष्यों को भेदना बिल्कुल पिन प्वाइंट टारगेट को हिट करना ये सिर्फ एक मॉडर्न टेक्नॉलजी से लैस प्रोफेशनल फोर्स ही कर सकती है।

सावधानी के साथ पाकिस्तान को जवाब दिया

पीएम मोदी ने कहा कि दुश्मन को पता ही नहीं चला कि कब उसका सीना छलनी हो गया, हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के अंदर टेटर हेडक्वॉर्टर को हिट करने का था आतंकियों को हिट करने का था लेकिन पाकिस्तान ने अपने यात्री विमानों को सामने करके जो साजिश रची मैं कल्पना कर सकता हूं कि वो पल कितना कठिन होगा जब नागरिक एयरक्रॉफ्ट दिख रहा है। मुझे गर्व है कि आपने बहुत सावधानी से बहुत सर्तकता से नागरिक एयरक्रॉफ्ट को नुकसान किए बिना कमाल करके दिखाया उसका जवाब दे दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि आप सभी अपने लक्ष्यों पर बिल्कुल खरे उतरे हैं।

घाटी एनकाउंटर में लश्कर के तीन आतंकी हुए ढेर

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सेना का बड़ा ऐक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सेना ने आतंकियों के खिलाफ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। बताया गया है कि आतंकियों की तरफ से फायरिंग किए जाने के बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी चल रहा है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन आतंकियों का पहलगाम हमले से कनेक्शन है या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर के शुकरू केलर इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुठभेड़ कुलगाम जिले से शुरू हुई थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हो गई। स्थानीय रिपोर्ट है कि सेना के जवाबी हमले में लश्कर के कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। सेना की तरफ से बताया गया है कि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। गौरतलब है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमलों के बाद से सुरक्षाबल दक्षिण कश्मीर और किश्तवाड़ के जंगलों में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

पिता ने 3 बेटियों को जहर खिलाकर खुद खाया, मौत

● दमोह में समोसा खिलाने बाजार लेकर गया था, तालाब किनारे तड़पते मिले

भोपाल। दमोह में एक पिता ने अपनी 3 बेटियों को जहर खिलाकर खुद भी खा लिया। घटना में चारों की मौत हो गई। वह सुबह बेटियों को बाजार में समोसा खिलाने का कहकर ले गया था। पड़ोस के एक युवक ने उन्हें तालाब किनारे तड़पते देखा तो उनके घरवालों को सूचना दी। परिजन वहां पहुंचे तो चारों बेहोश मिले। गंभीर हालत में उन्हें हटा अस्पताल ले जाया गया। यहां पिता विनोद, बेटी महक (डेढ़ साल) और खुशी (5) की मौत हो गई। बड़ी बेटी खुशबू (7) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसने भी दम तोड़ दिया। घटना हटा ब्लॉक के मुहरई गांव में मंगलवार सुबह की है। परिवार हरियाणा से यहां शादी समारोह में आया हुआ था। फिलहाल घटना की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तीन बेटियों की मां जूली अहिरवाल ने बताया कि वह हरियाणा के बिडोला गांव में रहती है।

एमपी में हाथी मित्र दल के गठन की मंजूरी

जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए 47 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक की योजना की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में मानव-हाथी द्वंद को कम करने और जंगली हाथियों के प्रबंधन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्ष 2026-27 अर्थात आगामी 2 वर्षों सहित कुल 4 वर्षों (वर्ष 2023-24 से 2026-27 तक) के लिए राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये की योजना क्रमांक 9854 की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी है। योजना अंतर्गत हाथियों की सुरक्षा एवं अनुश्रवण के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं वर्ष 2024-25 में कुल राशि रुपये एक करोड़ 52 लाख 54 हजार रूपये व्यय की गयी है। निर्णय अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना में राशि 20 करोड़ रुपये और वर्ष 2026-27 में 25 करोड़ 59 लाख 15 हजार रुपये का प्रावधान किया गया। कुल 4 वर्षों के लिए योजना का आकार राशि 47 करोड़ 11 लाख 69 हजार रुपये निर्धारित किया गया है।

रायसेन में बनेंगे हाईस्पीड रेल और मेट्रो के कोच- रायसेन जिले के गौहरगंज में हाईस्पीड रेल और मेट्रो के कोच बनेंगे। इस पर भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) 1800 करोड़ रुपए निवेश करेगी। मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में इस पर चर्चा हुई है। संस्था को कारखाना बनाने के लिए जमीन देने के प्रस्ताव बाद में कैबिनेट में लाया जाएगा। इसके पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंत्री परिषद की ओर से बधाई दी है।

गौहरगंज में बीईएमएल करेगी 1800 करोड़ का निवेश- राज्य सरकार 14 मई को बेंगलुरु में रोड-शो करेगी। यहीं बीईएमएल का दफ्तर है। जिसे एमपी में भूमि आवंटित की जाना है। यह काफी समय से पेंडिंग है। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जंगली हाथियों से फसल और किसानों को बचाने और हाथियों को भी सुरक्षित रखने के लिए यह योजना तैयार की गई है। 47 करोड़ की योजना की मंजूरी के बाद जंगली हाथियों की सुरक्षा और उन पर कंट्रोल का काम किया जाएगा।

पोहरी चौराहा और बस स्टैंड पर यातायात पुलिस का चेकिंग

रणजीत टाइम्स

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी। एसपी अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में यातायात थाना पुलिस द्वारा मंगलवार को पोहरी चौराहा एवं पोहरी बस स्टैंड पर यात्री बसों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस

दौरान लगभग 40 यात्री बसों की जांच की गई। अधिकांश बसों के दस्तावेज सही पाए गए, लेकिन कुछ बसों में फर्स्ट एड बॉक्स, नंबर प्लेट सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की कमी पाई गई। इस पर कार्रवाई करते हुए 14 बसों पर चालानी कार्रवाई की गई और कुल 7700 रुपए समन शुल्क अधिरोपित किया गया। यातायात प्रभारी रणवीर यादव ने बताया कि भविष्य में भी यात्री बसों के विरुद्ध ऐसे चेकिंग अभियान जारी रहेंगे। साथ ही, सभी बस चालकों से अपील की गई है कि वे वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित रह सके।

मण्डलेश्वर जेल में स्वास्थ्य एवं विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

मंडलेश्वर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री प्रीति जैन द्वारा 13 मई को उप जेल मण्डलेश्वर पर स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में डॉ स्वप्निल श्रीवास्तव एवं डॉ बीएल लछेटा द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। पैरामेडिकल टीम नें ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर, लीवर, किडनी एवं सिकल सेल की जॉच की गई। न्यायाधीश सुश्री प्रीति जैन द्वारा उप जेल मण्डलेश्वर में स्वास्थ्य शिविर के दौरान स्वास्थ्य टीम से बंदियों के स्वास्थ्य को लेकर चर्चा की गई एवं उनको दी जा रही दवाईयों की जानकारी ली गई। इस दौरान न्यायाधीश द्वारा जेल में बंदियों के विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन भी किया गया। जिसमें बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। उन्होंने बंदियों से उनके अधिवक्ता है अथवा नहीं है के संबंध में पूछा तथा यह भी बताया कि ऐसे बंदी जिनके अधिवक्ता नहीं है वह विधिक सहायता के माध्यम से निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते है। उनके द्वारा सजायाफ्ता बंदियों से चर्चा करते हुए उनकी अपीलों के संबंध में जानकारी ली गई तथा नोट की गई। उन्होने बंदियों को बताया कि वह चाहे तो विधिक सहायता के माध्यम से भी हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते है। शिविर में श्रीमती श्वेता मीणा, उप जेल अधीक्षक, सुश्री निशा कौशल, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसेल, कु. गौरी मालवीया, इंटर्नशीप स्टूडेंट, जेल स्टॉफ एवं बंदीगण उपस्थित रहें।

जनसुनवाई

सुनी गई 69 आवेदकों की समस्याएं

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर

खरगोन। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 13 मई को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मण्डलोई ने अन्य अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 69 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे।

जनसुनवाई में नगरपालिका खरगोन के पार्षद श्री रियाजुद्दीन शेख शिकायत लेकर आये थे कि वार्ड नंबर 12 के विभिन्न विकास कार्यों की प्रशासकीय व तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद भी नगरपालिका द्वारा कार्यों के टेण्डर नहीं लगाएं जा रहे हैं। इसके कारण उनके वार्ड के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी खरगोन को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। वार्ड नंबर 30 संजय नगर खरगोन के मोहम्मद शेख शिकायत लेकर आये थे कि उनके राशन कार्ड में कुल 07 सदस्य है। जिनका नाम खाद्यान्न पर्ची में जुड़ा हुआ है लेकिन उन्हें केवल 01 व्यक्ति का अनाज मिल रहा है और शेष 06 सदस्यों का अनाज नहीं मिल रहा है। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

भगवानपुरा तहसील के ग्राम मोमदिया की चंपा बाई शिकायत लेकर आयी थी कि ग्राम मोमदिया में उसके पति काशीराम के नाम से कृषि भूमि है। लेकिन इस भूमि पर उसके जेठ भावसिंग व शोभाराम ने अवैध कब्जा कर लिया है और उसे खेती नहीं करने दे रहे हैं। अतः उसे अपने पति के नाम की कृषि भूमि पर कब्जा दिलाया जाए। इस प्रकरण में भगवानपुरा तहसीलदार को कार्यवाही करने कहा गया है। बड़वाह तहसील के ग्राम सुरपाला निवासी धर्मेन्द्र वर्मा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आये थे। आवास की सूची में उसका नाम आया था लेकिन उसके खाते में किस्त की राशि नहीं आयी है। सरपंच और सचिव से शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। इस प्रकरण में जिला पंचायत की आवास शाखा को कार्यवाही करने कहा गया है।

भगवानपुरा तहसील के ग्राम धुलकोट का भगवान अटादे खाद्यान्न पर्ची नहीं मिलने के कारण अनाज नहीं मिलने की शिकायत लेकर आया था। उसका कहना था कि उसे 05 माह से राशन नहीं मिल रहा है। इस पर जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। कसरावद तहसील के ग्राम जलज्योति का नवलसिंह प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आया था। उसका कहना था कि गरीब आदिवासी होने के बाद भी उसे अब तक आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। पंचायत के सचिव द्वारा पिछले 08 माह से उसका राशन भी बंद करा दिया गया है। अतः उसे आवास योजना का लाभ दिलाने के साथ ही राशन भी दिलाया जाए। इस पर जिला आपूर्ति अधिकारी एवं जनपद पंचायत कसरावद को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया है।

सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स, नगर तथा ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

आग बुझाने, मलवे में दबे घायलों को निकालने, इमरजेंसी मैथड की बताई विधि

दीपक तोमर

खरगोन।भारत शासन के आदेशानुसार सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए अधिक से अधिक संख्या में सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स बनाए जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सिविल डिफेंस की कंट्रोलर कलेक्टर खरगोन के मार्गदर्शन में जिला अंतर्गत बनाए गए नवीन 175 सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स, नगर तथा ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों को 13 मई को पुलिस लाईन खरगोन में प्रशिक्षण दिया गया।प्लाटून कमांडर होमगार्ड खरगोन श्री शिवप्रसाद उईके के नेतृत्व में एसडीआरएफ व होमगार्ड टीम द्वारा दिए गए प्रशिक्षण में आपात स्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रहते हुए आम जनमानस की सुरक्षा करना, शासन प्रशासन की मदद करना, आग बुझाने, मलवे में दबे घायलों को निकाल कर उन्हें प्राथमिक उपचार देकर एंबुलेंस तक ले जाने की इमरजेंसी मैथड बताई गई। साथ ही उन्हें भूकंप व बाढ़ के दौरान बचाव कार्य करने की भी जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, एएसपी ग्रामीण, एएसपी शहरी, समस्त एसडीओपी, समस्त थाना प्रभारी, आर.आई., सूबेदार खरगोन की उपस्थिति रही। प्रशिक्षणार्थियों ने इस प्रशिक्षण को काफी उपयोगी बताया तथा विश्वास दिलाया कि वे किसी भी आपात स्थिति में लोगों की जान माल बचाने के लिए प्रशासन की मदद के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, बुधवार 14 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

सीबीएसई बोर्ड 10वीं में विनायक कौरव ने 94% और दिव्यांश कौरव ने 96% अंक से किया टॉप

रणजीत टाइम्स

गाडरवारा। सी.बी.एस.सी. बोर्ड द्वारा मंगलवार को 10वी और 12वी परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है जिसमें नरसिंहपुर जिले की तहसील गाडरवारा अंतर्गत आने वाले ग्राम सडूमर के निवासी शिक्षक दिनेश कौरव के पुत्र विनायक कौरव ने न्यू ऐज पब्लिक स्कूल गाडरवारा से 10वीं की परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की वही एम०पी०ई०वी० कॉलोनी गाडरवारा निवासी एडवोकेट विक्रांत कौरव के पुत्र दिव्यांश कौरव ने पी०एम० श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी में 96% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय संस्था, शिक्षकों, माता-पिता, अभिभावकों सहित क्षेत्र और समाज का नाम गोरवान्वित किया है। वही विनायक कौरव के अच्छे परिणाम प्राप्त होंने पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक वरिष्ठजन, विद्यालय के शिक्षकों सहित सभी अभिभावकों ने बड़े खुशी के साथ अपना आशीर्वाद देते हुए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं की।

महिला अंबिका चंदेल से युवक ने किया गलत कमेंट

रणजीत टाइम्स

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी में नक्षत्र गार्डन के सामने हुई मारपीट मामले में नया खुलासा हुआ है। एक महिला ने कलेक्टर और एसपी को दिए शिकायती आवेदन में बताया कि विवाद की शुरुआत अर्पित धाकड़ की अश्लील टिप्पणी से हुई थी। महिला ने बताया कि रविवार को वह अपने पति के साथ नक्षत्र गार्डन रोड से जा रही थी। इस दौरान अर्पित धाकड़ ने अभद्र टिप्पणी की। उसके पति ने यह बात अपने दोस्तों को बताई। दोस्त जब अर्पित को समझाने गए तो उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी से विवाद बढ़ा और मारपीट हुई। इससे पहले अर्पित धाकड़ ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि चार अज्ञात लोगों ने लोहे की पत्ती लगे डंडों से उसे पीटा। यह घटना चाय की स्टॉल पर हुई थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। महिला ने यह भी बताया कि घटना के बाद अर्पित और उसके साथी उनके घर पर भी हमला करने आए। वहां भी गाली-गलौज की। अब उनके परिवार को सुरक्षा की जरूरत है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी अंकित पुत्र आनंद वाल्मीक (24) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तीन आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस वायरल वीडियो और महिला की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस की संजीवनी बाल मित्र पहल- थाना छत्रीपुरा में 10 दिवसीय समर कैंप का सफल आयोजन, बच्चों को सिखाए गए जीवन मूल्य, देशभक्ति और रचनात्मकता

इंदौर। थाना छत्रीपुरा स्थित संजीवनी बाल मित्र केंद्र में आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप का समापन भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इंदौर पुलिस की इस अभिनव पहल ने न केवल बच्चों को अपराधों से दूर रखने का संदेश दिया, बल्कि उन्हें उच्च आदर्श, जीवन मूल्यों, देशभक्ति, रचनात्मकता और करियर मार्गदर्शन जैसे विषयों में मार्गदर्शन देकर एक सकारात्मक दिशा में प्रेरित किया। इस समर कैंप में प्रतिदिन अलग-अलग संस्थाओं और अतिथि विद्वानों ने सहभागिता करते हुए बच्चों को योग, ध्यान, कला एवं शिल्प, गीत-संगीत, नृत्य, ड्राइंग-पेंटिंग, पर्यावरण संरक्षण, खेल गतिविधियों, मोटिवेशनल टॉक्स और करियर काउंसलिंग जैसी गतिविधियों से रूबरू कराया। यह आयोजन बच्चों के मानसिक, शारीरिक और नैतिक विकास की दृष्टि से अत्यंत सफल रहा। कार्यक्रम

की विशेष बात यह रही कि पुलिस विभाग की इस पहल को समाज के शिक्षाविदों और वरिष्ठजनों ने भी भरपूर सराहा। शिक्षाविद अचल चौधरी और वरिष्ठ अधिवक्ता अमर सिंह राठौर ने इस नवाचार को अद्भुत बताते हुए कहा कि पुलिस को विशेष बच्चों के हित में इस तरह कार्य करते पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने प्रधान आरक्षक संजय राठौर के समर्पित प्रयासों की विशेष रूप से प्रशंसा की और समर कैंप की संकल्पना को बच्चों के भविष्य निर्माण की दिशा में प्रेरणादायक बताया। समापन समारोह में उन बच्चों को सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके साथ ही सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण-पत्र, शिक्षण सामग्री, मिठाई, स्वल्पाहार एवं उपहार वितरित किए गए। साथ ही, समर कैंप में योगदान देने वाले अतिथि विद्वानों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त सराफा हेमंत चौहान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। थाना प्रभारी छत्रीपुरा केपी सिंह यादव ने बाल मित्र केंद्र के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आगे भी प्रयास जारी रखने की बात कही। प्रधान आरक्षक संजय राठौर ने उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

यातायात जाम की समस्या से राहत दिलाने प्रशासन का बड़ा कदम– 30 प्रमुख चौराहों के लेफ्ट टर्न होंगे चौड़े, अतिक्रमण भी हटेगा

इंदौर। शहर में लगातार बढ़ रही यातायात की भीड़ और जाम की गंभीर समस्या को देखते हुए प्रशासन ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब शहर के 30 प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न चौड़े किए जाएंगे, ताकि वाहनों की सुगम निकासी हो सके और जाम की स्थिति से राहत मिले। इस उद्देश्य को लेकर नगर निगम अधिकारियों की विशेष टीमें इन चौराहों पर सर्वे कार्य में जुट गई हैं और सुबह से शाम तक यातायात का बारीकी से निरीक्षण कर रही हैं। इंदौर शहर में विशेषकर सुबह और शाम के समय कई प्रमुख चौराहों पर भारी यातायात दबाव देखा जाता है, जिससे यात्री घंटों जाम में फंस जाते हैं। इनमें से कई चौराहे वर्षों पुराने हैं और उनके आसपास सड़कों तक दुकानों और मकानों का कब्जा होने से स्थिति और जटिल हो गई है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कलेक्टर आशीष सिंह और निगमायुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर निगम ने यह व्यापक अभियान शुरू किया है। नगर निगम की टीमें इस सर्वे के दौरान यातायात की दिशा, लेन की चौड़ाई, अतिक्रमण, और संभावित सुधार क्षेत्रों का गहन अध्ययन कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार इससे पूर्व भी अग्रसेन चौराहा, इंडस्ट्री चौराहा, विजयनगर, व्हाइट चर्च चौराहा जैसे इलाकों में लेफ्ट टर्न सुधारने के बाद वहां यातायात व्यवस्था काफी बेहतर हुई है।

रिजनल ग्रोथ कॉन्क्लेव से लेकर जंगली हाथियों के बचाव तक, मोहन कैबिनेट के फैसलों ने राज्य के विकास और संरक्षण को नई दिशा दी

मध्यप्रदेश। इन दिनों विकास, संस्कृति और संरक्षण से जुड़े अनेक मोर्चों पर ठोस पहल की जा रही है। हाल ही में हुई मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जो राज्य के आर्थिक विकास, सांस्कृतिक समन्वय और पर्यावरणीय सुरक्षा को मजबूती देने वाले हैं।

इन फैसलों में एक ओर जहां इंदौर में रिजनल ग्रोथ कॉन्क्लेव जैसे बड़े औद्योगिक आयोजन को मंजूरी दी गई, वहीं दूसरी ओर जंगली हाथियों से ग्रामीणों की रक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षण योजना की घोषणा भी की गई। इसके साथ ही मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए कई साझा कार्यक्रमों की योजना भी बनाई गई है। इंदौर और बेंगलुरु में आगामी औद्योगिक आयोजन राज्य के

निवेश संवर्धन के दृष्टिकोण से अहम माने जा रहे हैं। बेंगलुरु में 14 मई और इंदौर में 16 मई को होने वाले कार्यक्रमों का उद्देश्य औद्योगिक विस्तार और निवेश के लिए संभावनाओं का निर्माण करना है। वहीं 20 मई को इंदौर में होने वाली अगली मंत्री परिषद की बैठक में विजन डॉक्यूमेंट ञ्च2047 पर विशेष चर्चा की जाएगी, जो राज्य के दीर्घकालिक विकास की रूपरेखा को तय करेगा। महाराष्ट्र सरकार के साथ हुए समझौते (एमओयू) के तहत आने वाले समय में दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न साझा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

इसमें मप्र और महाराष्ट्र के सभी ज्योतिर्लिंगों को जोड़कर एक विशेष तीर्थ सर्किट का निर्माण, दोनों राज्यों के महापुरुषों पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं और फिल्म निर्माण, वीर पुरुषों के इतिहास को डिजिटाइज कर संरक्षित करना और महेश्वर के पारंपरिक साड़ी उद्योग को सहयोग से सशक्त बनाना शामिल है। महाराष्ट्र सरकार भी मध्यप्रदेश की ही तर्ज पर पुणे के पास माता अहिल्या की जन्मस्थली में एक कैबिनेट बैठक आयोजित करेगी, जो दोनों राज्यों के भावनात्मक और ऐतिहासिक रिश्तों को और सशक्त करेगा। पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में भी सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ते जंगली हाथियों की समस्या को देखते हुए हाथियों के प्रबंधन के लिए 47 करोड़ रुपये की योजना स्वीकृत की गई है।

इस योजना के अंतर्गत रेस्क्यू टीम का गठन किया जाएगा, ग्रामीणों को प्रशिक्षित किया जाएगा और आवश्यक संसाधन जुटाए जाएंगे, ताकि मानव और हाथियों के बीच टकराव को रोका जा सके। कृषि क्षेत्र में भी सरकार की सक्रियता बनी हुई है। 5 मई तक प्रदेश के 3475 उपार्जन केंद्रों पर 9 लाख किसानों से कुल 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है, जिसमें से 74.42 लाख मीट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। सरकार ने अब तक 18,471 करोड़ रुपये किसानों को भुगतान कर दिया है, जबकि शेष 400 करोड़ रुपये का भुगतान शीघ्र करने की प्रक्रिया जारी है।

'जशप्योर' की खुशबू से मंत्रमुग्ध हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह,

सीएम साय बोले - यह है आत्मनिर्भर आदिवासी भारत का प्रतीक

रायपुर। जिले में एक विशेष क्षण देखने को मिला जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को जशप्योर ब्रांड की ओर से तैयार की गई एक विशेष उपहार टोकरी भेंट की। यह टोकरी सिर्फ एक साधारण भेंट नहीं थी, बल्कि इसमें छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान की जीवंत झलक दिखाई दी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस भेंट को सराहा ही नहीं, बल्कि इसे ग्रामीण भारत की आत्मनिर्भरता की मिसाल बताया। मुख्यमंत्री साय ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि 'जशप्योर' ब्रांड के अंतर्गत लघु वनोपजों से बनाए गए शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादों की एक टोकरी शिवराज सिंह को भेंट की

गई, जिसमें आदिवासी क्षेत्र जशपुर की समृद्ध परंपरा और स्वाद दोनों समाहित थे। इस टोकरी को खास तौर पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने पारंपरिक छींद कांसा से सजाया था, जो स्वयं में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कलाओं और आत्मनिर्भर महिला शक्ति का परिचायक है। इस टोकरी में कई तरह के पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद शामिल थे जैसे ङ्क डेकी, कुटा, जवां फूल चावल, ग्रीन टी का गिफ्ट पैक, टाऊ पास्ता, टाऊ महुआ कुकीज, महुआ गोंद लड्डू, रागी और मखाना से बने लड्डू, महुआ से तैयार च्यवनप्राश, शीरप, शहद और चाय। शिवराज सिंह ने इन सभी उत्पादों की बारीकी से जानकारी ली और उनकी गुणवत्ता तथा स्वाद की खुले दिल से तारीफ की।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रयास न केवल क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाते हैं, बल्कि आदिवासी समुदायों की आर्थिक मजबूती में भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री साय ने जोर देते हुए कहा कि उनकी सरकार 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को न केवल नीति स्तर पर बल्कि जमीनी स्तर पर भी चरितार्थ कर रही है। स्व सहायता समूहों के माध्यम से हजारों आदिवासी महिलाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं और जशप्योर जैसे ब्रांड उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहे हैं।

ग्वालियर में भारत मंडपम की स्थापना को लेकर गरमाई बहस, सांसद भारत सिंह ने केंद्र से किया अनुरोध, कैट ने जताई आपत्ति

ग्वालियर। ग्वालियर में दिल्ली के प्रगति मैदान की तर्ज पर भारत मंडपम जैसे एक इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेड फैसिलिटेशन कन्वेंशन सेंटर की स्थापना को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस प्रस्ताव को लेकर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और एक औपचारिक अनुरोध पत्र सौंपा। इस पत्र में ग्वालियर को व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग की गई है। भारत मंडपम जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर की स्थापना से क्षेत्र में निवेश, व्यापार और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, यह प्रस्ताव सामने आते ही ग्वालियर के व्यापारी वर्ग में मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिली है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराई है। व्यापारियों का तर्क है कि ग्वालियर व्यापार मेले के परिसर में पहले ही करोड़ों रुपये की लागत से एक फैसिलिटेशन सेंटर तैयार किया गया था, जिसे अब तक उपयोग में नहीं लाया गया है। ऐसे में एक और बड़े फैसिलिटी सेंटर की आवश्यकता और उसकी जगह को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। कैट के प्रतिनिधियों ने सांसद भारत सिंह से मुलाकात कर यह मांग की कि यदि नया भारत मंडपम बनाना ही है, तो इसके लिए साडा क्षेत्र की खाली पड़ी भूमि का चयन किया जाए। व्यापारियों का मानना है कि इससे न सिर्फ एक उपयुक्त स्थान मिलेगा, बल्कि साडा क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिलेगी, जो वर्तमान में अपेक्षाकृत पिछड़ा हुआ है। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने इन आपत्तियों के जवाब में स्पष्ट किया है कि फिलहाल यह सिर्फ एक प्रस्ताव है, जिसे केंद्र सरकार के समक्ष रखा गया है। अभी इसकी स्थापना, भूमि चयन या स्थान को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को मंजूरी देती है, तभी आगे की प्रक्रिया शुरू होगी और उस स्थिति में जगह का चयन जिला प्रशासन की सलाह और व्यापक विचार-विमर्श के बाद किया जाएगा। व्यापारियों का यह भी कहना है कि सरकार को पहले से बने संसाधनों के बेहतर उपयोग पर ध्यान देना चाहिए। फैसिलिटेशन सेंटर, जो कई सालों से अनुपयोगी पड़ा है, उसका आधुनिकीकरण और सक्रिय उपयोग ग्वालियर व्यापारिक परिदृश्य को मजबूती दे सकता है। फिलहाल यह प्रस्ताव केवल बातचीत और प्राथमिक पत्राचार के स्तर पर है, लेकिन इसने स्थानीय स्तर पर राजनीतिक और व्यापारिक हलकों में बहस छेड़ दी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या ग्वालियर को भारत मंडपम जैसा भव्य और आधुनिक सेंटर मिल पाएगा या फिर यह प्रस्ताव सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाएगा।

बस हादसे के बाद सीएम मोहन यादव का सख्त निर्देश, 13 मई से पूरे प्रदेश में चलेगा वाहनों की फिटनेस जांच का विशेष अभियान

भोपाल। दर्दनाक बस हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। राजधानी के बाणगंगा चौराहे पर सोमवार को एक निजी स्कूल बस के ब्रेक फेल होने से हुए हादसे में 22 वर्षीय युवती डॉ. आयशा खान की जान चली गई, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रदेशव्यापी स्तर पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि नागरिकों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने सोमवार देर रात एक उच्चस्तरीय बैठक कर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा को निर्देशित किया कि परिवहन विभाग के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में 13 मई से विशेष जांच अभियान शुरू किया जाए। इस अभियान के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सड़क पर चल रहे सभी वाहन पूर्ण रूप से फिट हों और उनके पास वैध बीमा, पंजीयन, फिटनेस प्रमाण-पत्र और परमिट जैसे आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि जिन वाहन मालिकों और चालकों के पास यह दस्तावेज नहीं पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ी तो वाहन जब्त किए जाएंगे। जिस बस से यह दुखद हादसा हुआ, उसकी हालत प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही को उजागर कर गई। जांच में पता चला कि उस बस का फिटनेस प्रमाण-पत्र, बीमा और रजिस्ट्रेशन तीनों समाप्त हो चुके थे। बावजूद इसके वह स्कूल बच्चों को ले जाने का कार्य कर रही थी और सड़कों पर बेधड़क दौड़ रही थी। इसी लापरवाही का नतीजा एक मासूम जान की कीमत के रूप में सामने आया। मुख्यमंत्री ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए भोपाल संभागायुक्त संजीव सिंह को निर्देश दिए, जिन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा को निलंबित कर दिया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से मुख्यालय, आयुक्त भोपाल संभाग में अटैच किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता की जान की रक्षा करना सरकार का पहला दायित्व है। ऐसे में कोई भी सरकारी या निजी अधिकारी, वाहन स्वामी या चालक यदि इस दायित्व के प्रति लापरवाही करता है, तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं होगा, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा, और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी।

विजय शाह का बयान शर्मनाक,

बीजेपी और मुख्यमंत्री मोहन यादव की चुप्पी और भी शर्मनाक कर्नल सोफिया पर हमला देश की बेटियों और सेना का अपमान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की बहादुर अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए अशोभनीय और नफरत भरे बयान की देशभर में निंदा हो रही है। मऊ में सार्वजनिक मंच से दिए गए इस बयान में उन्होंने कर्नल सोफिया को ÷आतंकवादियों की बहन÷ और ÷पाकिस्तानियों की बहन÷ कहकर न केवल उनकी गरिमा को ठेस पहुँचाई, बल्कि भारतीय सेना और देश की उन सभी बेटियों का अपमान किया है जो राष्ट्र सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहती हैं। विजय शाह का यह बयान केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि भारत की सैन्य गरिमा, राष्ट्रीय एकता और महिला सम्मान पर खुला प्रहार है।

कर्नल सोफिया कुरैशी, जो 2016 में फोर्स 18 जैसे बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारत का नेतृत्व कर चुकी हैं, और जिनकी तीन पीढ़ियाँ सेना की सेवा में समर्पित रही हैं, उनके खिलाफ इस प्रकार की बयानबाजी हर भारतीय का अपमान है। सबसे अधिक निराशाजनक है मुख्यमंत्री मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी की खामोशी। न तो कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया, न ही मंत्री को बर्खास्त करने की कोई कार्रवाई – यह चुप्पी साफ दर्शाती है कि क्या सरकार इस बयान से सहमत है? क्या भारत माता की ज कहने वाली पार्टी के लिए सेना का अपमान बर्दाश्त करने योग्य है? यह वही विजय शाह हैं, जिन्हें पहले भी महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी के कारण मंत्रिमंडल से हटाया गया था। और अब, एक बार फिर उन्होंने अपनी बेलगाम ज़ुबान से भारतीय सेना पर कीचड़ उछाला है।

मांग

1. **मुख्यमंत्री मोहन यादव तुरंत विजय शाह को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें।**
2. **बीजेपी को सार्वजनिक रूप से माफी माँगनी चाहिए और यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह कर्नल सोफिया को आतंकवादियों की बहन मानती है?**
3. **भारतीय सेना और महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए कड़ा संदेश देना होगा।**

यदि सरकार चुप रहती है, तो यह चुप्पी सहमति मानी जाएगी — एक ऐसी सहमति जो न देश माफ करेगा, न देश की बेटियाँ। कर्नल सोफिया कुरैशी इस देश की शान हैं। उनका सम्मान हर भारतीय का सम्मान है। और यदि इस पर आंच आती है, तो हर जागरूक नागरिक का कर्तव्य है कि वह आवाज उठाए।

देश पूछ रहा है — विजय शाह को बर्खास्त क्यों नहीं किया गया? क्या बीजेपी के लिए सत्ता, नैतिकता और सम्मान से बड़ी है?

इंदौर नगर निगम का डिजिटल क्रांति की ओर कदम

हर घर को डिजिटल पता, अपना पोर्टल और ऑन-डिमांड एप की शुरुआत जल्द

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा मंगलवार को सिटी बस कार्यालय सभागार में नगर पालिक निगम की आगामी डिजिटल योजनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमआईसी सदस्य राजेश उदावत निगमायुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाषा मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों के साथ डिजिटल सेवाओं से जुड़ी कंपनियों के प्रेजेंटेशन देखे गए।

हर घर को मिलेगा डिजिटल पता

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इंदौर नगर निगम ने हर घर डिजिटल पता योजना के अंतर्गत प्रत्येक मकान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान देने का कार्य शुरू कर दिया है। इस पते से नागरिकों को संपत्ति कर, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, कचरा संग्रहण, शिकायत निवारण जैसी सेवाएँ एक ही पोर्टल पर मिलेंगी। इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट वार्ड 82 में शुरू किया गया है, जिसे मॉडल वार्ड के रूप में विकसित किया जा रहा है। महापौर ने प्रेजेंटेशन के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना को शीघ्र पूर्ण कर शहरभर में लागू किया जाए।

इंदौर को जल्दी मिलेगा अपना नागरिक पोर्टल: इंदौर नगर निगम जल्द ही अपना एकीकृत नागरिक पोर्टल लॉन्च करने जा रहा है, जिससे नागरिक घर बैठे कई प्रकार की सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। इस पोर्टल के लिए संबंधित कंपनी द्वारा प्रस्तुति दी गई और महापौर व अधिकारियों ने इसकी समीक्षा की।

तीन चरणों में सेवाओं का संचालन प्रस्तावित है-

1. पहला चरण (3 महीने)- प्रॉपर्टी टैक्स ऑनलाइन होगा।
2. दूसरा चरण (अगले 3 महीने)- जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की सुविधा जोड़ी जाएगी।
3. तीसरा चरण (फिर अगले 3 महीने)- नागरिक शिकायत निवारण प्रणाली चालू की जाएगी।

ऑन-डिमांड कचरा संग्रहण एप भी जल्द होगा शुरू

नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी की दिशा में एक और कदम उठाते हुए ऑन डिमांड वेस्ट कलेक्शन एप÷ लॉन्च किया जाएगा। इस एप के माध्यम से नागरिक आवश्यकता अनुसार कचरा कलेक्शन सेवा बुक कर सकेंगे। इस योजना का पहला प्रेजेंटेशन भी मंगलवार को महापौर की उपस्थिति में प्रस्तुत किया गया, जिसमें इसे जल्द लागू करने के निर्देश दिए गए।

डिजिटल इंदौर की दिशा में मजबूत कदम

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि ये सभी योजनाएँ डिजिटल इंडिया की सोच को साकार करती हैं। इनसे नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और स्मार्ट सेवाएँ मिलेंगी, जिससे इंदौर एक बार फिर स्मार्ट सिटी के रूप में देश में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ की दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों से क्रय किए जाने वाले भैंस और गाय के दूध क्रय दरों में भी की गई वृद्धि

इंदौर। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा सांची के प्रबंधन संभालने के पश्चात एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) से संबद्ध इंदौर सहकारी दुग्ध संघ की दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों से क्रय किए जाने वाले भैंस और गाय के दूध क्रय दरों में 16 मई 2025 से प्रभावशील वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। एमपीसीडीएफ से जानकारी के अनुसार जबलपुर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से भैंस का दूध क्रय 730 रुपए प्रति किलो फैट के हिसाब से किया जाता है, जो अब नवीन दर 760 रुपए प्रति किलो फैट पर 16 मई 2025 से क्रय किया जाएगा, दुग्ध उत्पादक किसान को 30 रुपए प्रति किलो फैट का फायदा होगा। जानकारी में यह भी बताया गया कि दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से गाय का दूध 260 रूपए प्रति किलो कुल ठोस पदार्थ के हिसाब से किया जाता है, जो अब नवीन दर 272 रूपए प्रति किलो कुल ठोस पदार्थ पर 16 मई 2025 से किया जाएगा, दुग्ध उत्पादक किसान को 12 रुपए प्रति किलो कुल ठोस पदार्थ का फायदा होगा। उल्लेखनीय है कि

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से भैंस का दूध क्रय 800 रुपए प्रति किलो फैट के हिसाब से किया जाता था, नवीन दर 820 रुपए प्रति किलो फैट पर 11 मई 2025 से क्रय किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादक किसान को 20 रुपए प्रति किलो फैट का फायदा हो रहा है। इतना ही नहीं दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से गाय का दूध 292 रुपए प्रति किलो कुल ठोस पदार्थ के हिसाब से किया जाता था, नवीन दर 300 रुपए प्रति किलो कुल ठोस पदार्थ पर 11 मई 2025 से क्रय किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादक किसान को 08 रुपए प्रति किलो कुल ठोस पदार्थ का फायदा हो रहा है। ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से दूध क्रय 700 रु प्रति किग्रा फैट के हिसाब से किया जाता था, 01 मई 2025 से नवीन दर 760 रु प्रति किग्रा फैट पर क्रय किया जा रहा है। दूध क्रय की दर में 60 रुपए प्रति किलो ग्राम फैट की वृद्धि की गई। बुंदेलखंड सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों हेतु दूध क्रय 780 रुपए प्रति किग्रा फैट के हिसाब से किया जाता था, नवीन दर 810 रूपए प्रति किग्रा फैट पर 01 मई 2025 से क्रय किया जा रहा है। दूध क्रय की दर में 30 रुपए प्रति किलो ग्राम फैट की वृद्धि की गई है। उज्जैन सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों हेतु दूध क्रय 760 रु प्रति किग्रा फैट के हिसाब से दूध क्रय किया जाता था, नवीन दर 780 रूपए प्रति किग्रा फैट पर 01 मई 2025 से क्रय किया जा रहा है। दूध क्रय की दर में 20 रुपए प्रति किलो ग्राम फैट की वृद्धि की गई है।

फिल्म 'फर्जी' को बना लिया जिंदगी की पटकथा, फेसबुक पर नकली नोटों का ऑफर देकर चलाया करोड़ों का जाल, इंदौर पुलिस की फिल्मी स्टाइल में कार्रवाई

इंदौर। जहां सपने पलते हैं और उम्मीदें आकार लेती हैं, वहीं कुछ शातिर दिमाग अपने लालच को पूरी एक साजिश में बदलकर अपराध की नई इबारत लिखने में लगे थे। हाल ही में जो घटना सामने आई, उसने न सिर्फ पुलिस महकमे को चौंका दिया, बल्कि यह भी दिखाया कि आज की डिजिटल दुनिया कैसे अपराधियों के लिए नया मंच बनती जा रही है। फेसबुक पर एक ऐसा ऑफर देखा गया, जो देखने में भले ही किसी प्रमोशनल स्कीम जैसा लगे, लेकिन उसकी हकीकत बेहद खतरनाक और फिल्मी थी। उसमें लिखा था ङ्क 1 लाख दो, 4 लाख पाओ। यह किसी ऑनलाइन गेम या इनाम की योजना नहीं थी, बल्कि असली पैसों के बदले नकली नोटों का खेल था। पलासिया पुलिस को जैसे ही यह विज्ञापन नजर आया, उन्होंने इस धोखाधड़ी की तह तक जाने का फैसला किया। पुलिस टीम ने खुद को ग्राहक बताकर आरोपियों से संपर्क किया और सौदा तय किया। जैसे ही तय वक्त पर आरोपी नकली नोट लेकर पहुंचे, वैसे ही पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में दो लोगों को पकड़ा गया ङ्क एक इंदौर का निवासी दीपक और दूसरा महाराष्ट्र के जलगांव से आया आरोपी। इनके पास से जब तलाशी ली गई, तो दोनों के पास करीब 30 लाख रुपए के नकली नोट बरामद हुए। ये नोट इतने सफाई से बनाए गए थे कि पहली नजर में पहचानना मुश्किल हो जाए। पुलिस जांच में यह साफ हुआ कि यह कोई मामूली जालसाजी नहीं थी, बल्कि एक संगठित नेटवर्क की झलक थी। आरोपियों ने नकली नोट तैयार करने के लिए उन्नत प्रिंटर और हाई-क्वालिटी कागज का इस्तेमाल किया था। ये लोग न केवल फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे थे, बल्कि शहर में सक्रिय रूप से लोगों को लालच देकर फंसाने की योजना चला रहे थे। पुलिस अब इनके ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है और नकली नोटों से जुड़े अन्य साक्ष्य भी जुटा रही है। यह सवाल अब पुलिस के सामने सबसे बड़ा है कि क्या यह सिर्फ दो लोगों की करतूत थी या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह काम कर रहा है?

मरीजों को होगा फायदा :

नए बन रहे जिला अस्पताल में कॉर्निया ट्रांसप्लांट की सुविधा जल्द मिलेगी

इंदौर (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में मोतियाबिंद के ऑपरेशन तो हो रहे, लेकिन कॉर्निया ट्रांसप्लांट सहित अन्य नेत्र सर्जरी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यह स्थिति प्रदेश के सभी जिलों में है। इसे देखते हुए सरकार अब सभी जिला अस्पतालों में कॉर्निया ट्रांसप्लांट शुरू करने की योजना बना रही है। स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट एक्ट (सोटो) के तहत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों में ही कॉर्निया ट्रांसप्लांट हो रहा है, जबकि स्वास्थ्य विभाग के जिला अस्पतालों में यह सुविधा नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों का कहना है कि कॉर्निया ट्रांसप्लांट एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन मेडिकल कॉलेजों की मौजूदगी के कारण जिला अस्पतालों में यह शुरू नहीं हो पाया है।

इंदौर में तीन नेत्र रोग विशेषज्ञ, लेकिन सिर्फ मोतियाबिंद ऑपरेशन हो रहे- राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कायक्रम के तहत मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए हर जिले को टारगेट दिए जाते हैं। इंदौर में जिला अस्पताल बंद होने के बाद हुकुमचंद पॉली क्लिनिक में नेत्र रोग विभाग शिफ्ट किया गया है। यहां तीन नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, लेकिन केवल मोतियाबिंद ऑपरेशन हो रहे हैं। औसतन एक महीने में 40 से 50 ऑपरेशन किए जा रहे हैं, जबकि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को हजारों ऑपरेशन का टारगेट मिलता है। इस टारगेट को पूरा करने के लिए 50 से अधिक निजी अस्पतालों का डेटा जुटाया जाता है।

इंदौर में सबसे ज्यादा मोतियाबिंद ऑपरेशन चोइथराम नेत्रालय और शंकरा आई हॉस्पिटल में हो रहे हैं। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024-25 में इंदौर जिले को 20 हजार मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य दिया था।

कॉर्निया ट्रांसप्लांट के लिए प्रशिक्षित डॉक्टरों की जरूरत - प्रदेश के अन्य जिलों में भी लगभग सभी जगह नेत्र रोग विशेषज्ञ मौजूद हैं। प्रथम श्रेणी नेत्र रोग विशेषज्ञों की संख्या 20 से 25 बताई जाती है।

नगर निगम करेगा डिमांड पर घर, ऑफिस और कॉलोनी की सफाई महापौर पुष्यमित्र भार्गव की पहल पर ऐतिहासिक नवाचार की शुरुआत

इंदौर। स्वच्छता में लगातार कीर्तिमान रचते हुए अब इंदौर नगर निगम एक और ऐतिहासिक कदम उठाने जा रहा है। अब इंदौर नगर निगम नागरिकों की मांग पर उनके घर, कार्यालय, दुकान या कॉलोनी में जाकर सफाई करेगा, और वहां से एकत्र कचरे को भी निगम की टीम अपने साथ ले जाएगी। यह देश में अपनी तरह की पहली सुविधा होगी, जिसे नगर निगम कॉर्पोरेट मॉडल पर शुरू करने जा रहा है। इस योजना को मूर्त रूप देने की तैयारी जोरों पर है और महापौर पुष्यमित्र भार्गव की दूरदर्शी सोच इस नवाचार की प्रेरणा बनी है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने चालू वित्त वर्ष के बजट में ही इस अनूठी पहल की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था कि नगर निगम अब नागरिकों से शुल्क

लेकर उनके घरों से वेस्ट कलेक्शन करेगा, लेकिन इस योजना को और व्यापक बनाते हुए अब निगम पूरी सफाई सेवा प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। निगम आयुक्त शिवम वर्मा और अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा के मार्गदर्शन में यह योजना अब जमीन पर उतरने के लिए तैयार है। अधिकारियों के मुताबिक, यह मॉडल निजी कंपनियों की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जैसे कि अर्बन कंपनी जैसी सेवाएं सफाई के लिए शुल्क लेकर लोगों के घर जाती हैं। नगर निगम अब इसी कॉर्पोरेट शैली में अपने नागरिकों को यह सेवा देगा, जिसमें आवासीय और व्यावसायिक स्थलों के लिए अलग-अलग शुल्क सूची तैयार की जा रही है। सफाई टीम सफाई के बाद सारा कचरा भी साथ लेकर जाएगी, जिससे नागरिकों को एक बार में पूरी सेवा मिल सके। इस सेवा की एक और विशेष बात यह है कि क्लोज़ कैंपस कॉलोनियों और गेटेड सोसायटीज़, जहां अब तक नगर निगम सफाई नहीं करता था, वहां भी रहवासी संघ एक निर्धारित शुल्क पर नगर निगम को बुलाकर पूरी कॉलोनी की सफाई करा सकेंगे। इससे अब तक उपेक्षित रह जाने वाले क्षेत्रों में भी स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और हर परिसर बेहतर ढंग से साफ किया जा सकेगा। इस अनोखी व्यवस्था से इंदौर न केवल स्वच्छता की दृष्टि से फिर से एक कदम आगे निकलेगा, बल्कि पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल भी प्रस्तुत करेगा। यह पहल दर्शाती है कि किस तरह एक नगर निगम सामान्य सेवाओं से आगे बढ़कर नागरिकों की सुविधा के लिए नवाचार कर सकता है और शहर को स्मार्ट और सुचारु बनाने की दिशा में ठोस कार्य कर सकता है।

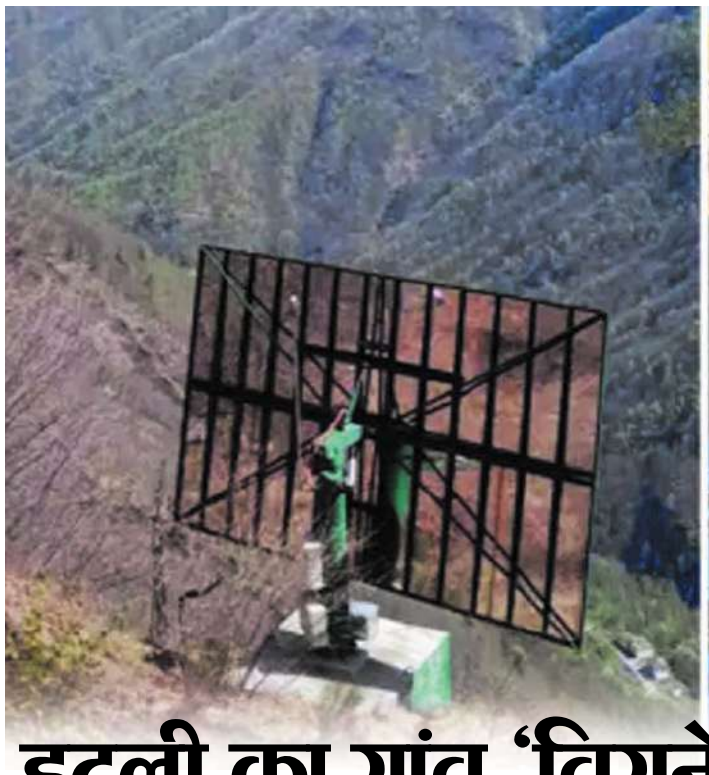

इटली का गांव 'विगनेला'
जहां नहीं पहुंचती सूरज की रोशनी

सूरज का प्रकाश पृथ्वी के कोने-कोने में पहुंचता है. पर कुछ हिस्से ऐसे भी हैं जहां कई महीनों तक सूरज की रोशनी नहीं पड़ती. पर इटली का एक गांव ऐसा भी है जहां सूरज की रौशनी नहीं पहुंचती. इस गांव में कभी सूरज नहीं निकलता. जिसके बाद यहां रहने वाले लोगों ने अपना ही सूरज बना लिया. हैरान हो गए ना ये जानकर, लेकिन ये सच है. दरअसल, यहां सूरज की रोशनी न पहुंचने पर लोगों ने जुगाड़ लगाकर अपना ही एक आर्टीफिशियल सूरज बना लिया. जी हां, आपने अब तक इंसान को साइंस एंड टेक्नोलॉजी की मदद से नकली आंख, हाथ पांव बनाते हुए सुना होगा, पर इटली के इस गांव के लोगों ने अपना सूरज ही बना लिया.

पृथ्वी पर जीवन के लिए सूर्य की रोशनी बेहद जरूरी है, यह सिर्फ हम इंसानों के लिए ही नहीं बल्कि जानवरों, पेड़-पौधों के भी अस्तित्व की वजह है। हर 24 घंटे के अंतराल में सूरज की रोशनी से पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों को रोशन करता है, लेकिन कई ऐसे क्षेत्र भी है जहां महीने तक सूर्य की किरण देखने के लिए लोग तरस जाते हैं। हमारी धरती अजीबोगरीब संभावनाओं से भरी हुई है, यहां ऐसी प्राकृतिक घटनाएं होती हैं जिस समझ पाना कभी-कभी वैज्ञानिकों के बस में भी नहीं होता।

सूर्य की रोशनी भी है जरूरी

नॉर्थ पोल और साउथ पोल के बारे में तो आप सभी ने पढ़ा ही होगा, यहा मौजूद देशों में महीनों तक या तो सूरज अस्त नहीं होगा या फिर उगेगा ही नहीं। हालांकि आज हम आपको इटली के ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां तीन महीने तक लोग सूर्य की रोशनी देखने के लिए तरस जाते हैं। हालांकि अब गांव वालों ने इस समस्या का समाधान भी खोज निकाला है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है। दरअसल, गांव ने अपना खुद का सूरज बना लिया है।

गांव वालों ने बना डाला अपना सूरज

चौंकिए मत जनाब, ये कोई असली का सूर्य नहीं बल्कि गांव तक रोशनी पहुंचाने के लिए एक आर्टीफिशियल सूरज लोगों ने मिलकर बनाया है। हम बात कर रहे हैं इटली में स्थित विगल्लेना गांव की जो चारों तरफ से पहाड़ों से घिरा हुआ है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों की वजह से तलहटी में बसे गांव में सूरज की रोशनी नहीं आ पाती। यहां करीब 200 लोग रहते हैं और सूरज के दर्शन किए उन्हें लंबा अरसा बीत जाता है। भौगोलिक स्थिति की वजह से यहां नवंबर से फरवरी तक सूर्य की रोशनी नहीं आती।

नवंबर से फरवरी के बीच अंधेरे में रहता था गांव

नवंबर से फरवरी के बीच दिन के समय भी पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता था, इस वजह से वहां रह रहे लोगों के सेहत पर भी बुरा असर पड़ता था। इस समस्या का समाधान गांव के ही एक आर्किटेक्ट और इंजीनियर ने निकाला और एक आर्टीफिशियल सूरज बना डाला। साल 2006 में इंजीनियर ने गांव के मेयर की मदद से पहाड़ों की चोटी पर 40 वर्ग किलोमीटर का एक शीशा लगवा दिया। शीशे को इस तरह लगाया गया कि उस पर पड़ने वाली सूर्य की रोशनी का पतिबिंब सीधे गांव पर गिरे।

दिन में इतने घंटे रोशन रहता है गांव

पहाड़ की चोटी पर लगाया गया ये शीशा दिन में 6 घंटे के लिए गांव को रोशन करता है। शीशे का वजह करीब 1.1 टन है और इसमें 1 लाख यूरो का खर्च आया। इस कारीगरी में तकनीक की भी मदद ली गई है, पहाड़ पर लगाए गए शीशों को कंप्यूटर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। अपना खुद का सूरज बनाने के बाद विगल्लेना गांव दुनियाभर में चर्चा का केंद्र बन गया, अब तो यहां टूरिस्ट भी इस कारीगरी को देखने आते हैं।

कैसे आया आइडिया?

विगल्लेना गांव के मेयर पियरफ्रेंको मडाली ने बताया कि इस आर्टीफिशियल सूरज का आइडिया किसी वैज्ञानिक का नहीं बल्कि एक आम इंसान का है। यह आइडिया तब सामने आया जब सर्दियों के मौसम में लोग धूप ना मिलने की वजह से घरों में ही रहा करने लगे। शहर ठंड और अंधेरे की वजह से बंद हो जाता था। करीब 87 लाख रुपए की लागत से एक आर्टीफिशियल सूरज को तैयार किया गया। अब सर्दियों में भी गांव को सूरज की रोशनी मिलती है।

जुगाड़ से गांव तक पहुंचा सूरज

इस समस्या का हल खोजने के लिए पहली बार साल 1999 में पहली बार, 'विगनेला' के एक आर्किटेक्ट जियाकोमा बोंजानी ने गांव के चर्च पर धूपघड़ी लगाने लगाने का प्लान बनाया था। लेकिन बाद में इसकी जगह एक विशाल शीशा लगाने का फैसला किया गया, जो धूप का प्रतिबिंब गांव तक पहुंचा सके। इसके लिए आर्किटेक्ट जियाकोमा और इंजीनियर गियानी फेरारी ने एक विशाल शीशा पहाड़ की चोटी पर लगवा दिया। ये शीशा दिन में 6 घंटे सनलाइट रिफ्लेक्ट करता है जिससे गांव में रोशनी रहती है। इसे कंप्यूटर के जरिए ऑपरेट किया जाता है और सूरज की दिशा की तरफ घुमाया जा सकता है।

इंजीनियर ने कैसे किया ये कारनामा

आर्किटेक्ट और इंजीनियर ने आर्टीफिशियल सूरज बनाने के लिए 1 लाख यूरो खर्च किया। इस पैसे से इंजीनियर ने 40 वर्ग किलोमीटर का एक शीशा खरीदा जिसको उसने पहाड़ की चोटी पर लगवा गिया। यह शीशा ऐसे लगाया गया है ताकि सूरज की रोशनी गांव के ऊपर धूप बनकर पड़े। इस शीशे से दिन में 6 घंटे लाइट रिफ्लेक्ट होती है और गांव में रोशनी रहती है। इस शीशा को पहाड़ की दूसरी तरफ लगाया गया है। इस शीशे को कंप्यूटर से ऑपरेट करते रहते हैं। विगल्लेना गांव के लोगों ने इस प्रकार अपना खुद का नया सूरज बना डाला है। गांव वालों ने विज्ञान और तकनीक की मदद से इस समस्या से निजात पा लिया।

इस प्रोजेक्ट पर आया इतना खर्च

बता दें, जिस विशाल शीशे से गांव तक सूरज की रोशनी पहुंचती है, उसका वजन 1.1 टन है। इसे कंप्यूटर की मदद से ऑपरेट किया जाता है। पियर फ्रांको मिडाली ने बताया था कि यह मैटीरियल 95 फीसदी सूर्य की रोशनी को परिवर्तित करता है। इस प्रोजेक्ट में 1 लाख यूरो का खर्च आया था।

बदली गांव की किस्मत

'विगनेला' के पूर्व मेयर मिदाली ने एक इंटरव्यू में कहा था, ये प्लान किसी वैज्ञानिक उद्देश्य से नहीं बनाया गया, बल्कि इसकी मानवीय वजह थी। सर्दियों में ये शहर ठंड और अंधेरे से भर जाता था और इसी वजह से लोगों ने इस इलाके से पलायन करना भी शुरू कर दिया था। लेकिन अब यहां धूप आती है और हालात अच्छे हैं। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों का ध्यान खींचा और कई विदेशी अखबार इस गांव और मिरर की कहानी देखने पहुंचे। अब ये गांव आर्टिफिशियल सन की वजह से काफी फेमस हो चुका है।

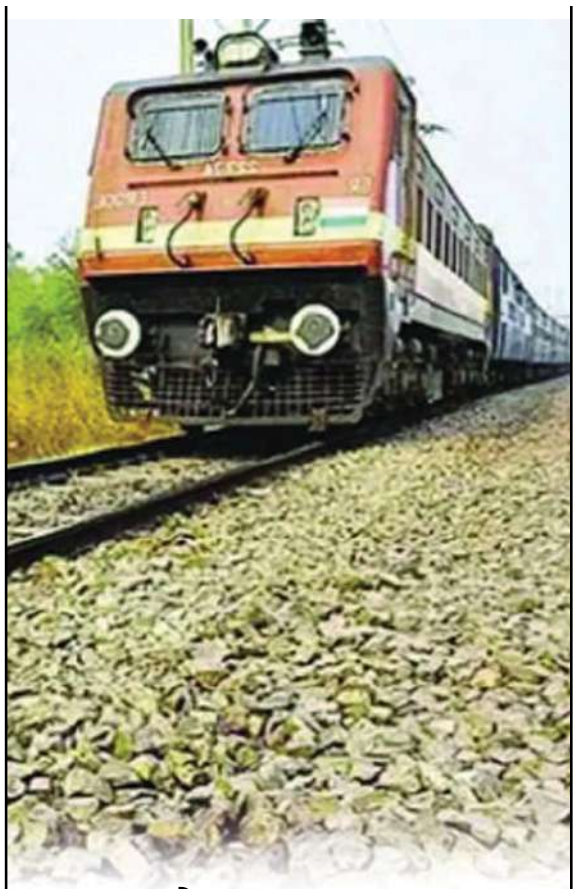

रेलवे ट्रैक पर क्यों पड़े होते हैं बड़े-बड़े पत्थर?
इसे क्या कहते है?

क्या आपने कभी सोचा है कि रेलवे नेटवर्क का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्या है? जी हाँ, यदि आप रेलवे ट्रैक को इसका सही उत्तर मानते है तो यह बिलकुल सही है। लेकिन क्या आप यह जानते है की इसमें बड़े-बड़े पत्थरों को क्यों बिछाया जाता है? और इन्हे क्या कहते है? तो चलिए इस खबर में हम आपको बताते है इसे क्या कहते है।

रेलवे ट्रैक पर बिछाए जाने वाले इन पत्थरों को ट्रैक बैलेस्ट कहा जाता है। दरअसल ये पत्थर रेलवे ट्रैक पर क्यों बिछाए जाते हैं, इसके पीछे का कारण कुछ यूनिक और बहुत ही रोचक तथ्य को उजागर करता है। जानकारी के अनुसार इन ट्रैक बैलेस्ट का मुख्य काम यह होता है कि ये ट्रैक को स्थिर और सुरक्षित बनाए रखे। दरअसल ये नुकीले और बड़े पत्थर इसलिए रखे जाते हैं ताकि ट्रेनों के दबाव के कारण वे फिसलने नहीं पाए। दरअसल इनको बिछाने से ट्रैनों की गति को सुनिश्चित करने में मदद मिलती है और ट्रैक क्रैकिंग का खतरा कम होता है।

रेलवे लाइन का फिसलने का खतरा कम

साथ ही, ये पत्थर ट्रैक के पास घास-फूस, बिखरने वाली मिट्टी ये सब बारिश से ट्रैक को सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। दरअसल जब बारिश होती है, तो ये पत्थर ट्रैक को पानी से दूर रखने में मदद करते हैं, जिससे रेलवे लाइन का फिसलने का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं इसके अलावा, ये पत्थर ट्रेनों के चलने के समय उत्पन्न होने वाली ध्वनि को भी नियंत्रित करते हैं। जानकारी के अनुसार इसपर जब ट्रेनें चलती हैं, तो इन पत्थरों की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से होने वाली कंपन को काफी हद तक रोका जा सकता है। जिससे यात्रियों को इसपर चलने में अधिक सुरक्षा मिलती है।

साइंटिफिक दृष्टिकोण?

वहीं यदि इसे एक साइंटिफिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो, दरअसल ट्रैक पर बिछाए जाने वाले ये पत्थर रेलवे लाइन के निर्माण और संचालन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसी से यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का आनंद मिलता है। वहीं इसके साथ ही, ये पत्थर कई तकनीकी परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे की ट्रैक की मरम्मत के समय, निर्माण करते समय यही ट्रेक का सहारा बनते है, और रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा को भी इनसे बढ़ावा मिलता है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी की इनके बिना, रेलवे सेवाओं का संचालन सम्भव नहीं हो सकता।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली, उनसे भिड़ने वाली महिला पत्रकार ने संन्यास के बाद दी शुभकामनाएं

सिडनी (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिये इस प्रारूप को अलविदा कहा। कोहली ने दुनिया के हर कोने में रन बनाए हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से उनकी प्रतिद्वंद्विता खास रही है। खासतौर पर कोहली ने ऑस्ट्रेलिया जाकर खूब रन बनाए हैं। यही वजह है कि जब भी वहां कोई सीरीज होती है तो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कोहली के नाम से प्रचार प्रसार करती है। वहां की मीडिया उनकी खूब तारीफ भी करती है। अब उनके टेस्ट से संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया के सभी अखबारों ने उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। इतना ही नहीं, जिस महिला पत्रकार से वह मेलबर्न एयरपोर्ट पर तस्वीर को लेकर भिड़े थे, उस पत्रकार ने खुद पोस्ट कर कोहली को शुभकामना संदेश दिया है।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली - भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन से महानता हासिल की है और अब वह सफेद जर्सी पहनकर उनके गेंदबाजों को परेशान नहीं कर पाएंगे। इसकी खुशी ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को जरूर होगी। सोमवार को कोहली ने अपने शानदार टेस्ट करियर से अलविदा कहा तो ऑस्ट्रेलिया के मुख्य अखबार 'दैनिक सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' ने इस भारतीय आइकन के बारे में कहा, ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कोहली का अविश्वसनीय बल्लेबाजी कौशल और मैदान पर तीखे तेवर का संयोजन आकर्षित करता था जिससे कईयो को उसमें अपनी झलक दिखती।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों को कोहली की प्रतिद्वंद्विता पसंद - अखबार ने लिखा, कोहली की ऑस्ट्रेलिया में पहली सीरीज 2011-12 में थी जिसमें माइकल क्लार्क की अगुआई वाली टीम का प्रदर्शन एकतरफा रहा। 4-0 के स्कोरलाइन के बावजूद कोहली ने कई समकालीनों की तुलना में अधिक निडरता दिखाई और एडिलेड में शतक के साथ इसका समापन किया। एससीजी दर्शकों को अंगुली दिखाने के लिए उनकी आलोचना भी हुई। यह ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ लड़ाई की शुरुआत थी जो इस साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उनके अंतिम दिन समाप्त हुई जब उन्होंने उसी भीड़ को 'सैंडपेपर' का इशारा किया।'

ऐतिहासिक जीत की भी याद दिलाई - 'ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' (एबीसी) ने भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनके सफल कार्यकाल पर प्रकाश डाला जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीत भी शामिल है। एबीसी ने लिखा, उनके टेस्ट करियर को 2014 से 2022 के बीच कप्तान के रूप में उनके कार्यकाल के लिए भी याद किया जाएगा जिसमें उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में से 40 में जीत दिलाई और इस प्रारूप में देश के सबसे सफल कप्तान बने तथा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (53) और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (48) और स्टीव वॉ (41) के बाद जीत के मामले में चौथे स्थान पर रहे।न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू में छपी खबर का शीर्षक विराट कोहली ने संन्यास की घोषणा करके 1.4 अरब दिलों को तोड़ दिया रहा। वहीं फॉक्स स्पोर्ट्स ने लिखा कि कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति से भारतीय बल्लेबाजी लाइन अप में खालीपन आ जएगा।

महिला पत्रकार ने भी कोहली को दी बधाई - भारत के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली मेलबर्न एयरपोर्ट पर महिला पत्रकार नैट योआनिडिस से भिड़ गए थे। ऑस्ट्रेलिआई पत्रकार कोहली की इजाजत के बिना उनके बच्चों की तस्वीर लेने की कोशिश कर रहे थे। कोहली अपने निजी जीवन को सुर्खियों से दूर रखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि वह कई बार पत्रकारों को बच्चों वामिका और अकाय से दूर रहने के लिए कह चुके हैं। मेलबर्न में पत्रकारों को तस्वीर लेते देख वह भड़क गए थे। अब नैट ने इंस्टाग्राम स्टोरी में उनके साथ उसी विवाद की तस्वीर साझा की है। इसके कैप्शन में लिखा- विराट, एक बेहतरीन टेस्ट करियर के लिए आपको बधाई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित, एनगिडी की हुई वापसी

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल मुकाबले के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित हो गई है। इस खिताबी मैच के लिए टीम में तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की वापसी हुई है जो ग्रोइन चोट के कारण पिछले कुछ समय से बाहर चल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

बावुमा की अगुआई में उतरेगी टीम - दक्षिण अफ्रीका की टीम तेंबा बावुमा की अगुआई में डब्ल्यूटीसी के फाइनल में खेलने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। दक्षिण अफ्रीका की टीम डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में 69.44 पीसीटी के साथ पहले स्थान पर रही थी। इस मुकाबले को देखते हुए एनगिडी का फिट होना दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की खबर है।

मफाका-ब्रिट्ज्के नहीं बना सके जगह - दक्षिण अफ्रीका ने अपनी नियमित टीम पर भरोसा जताया है और पाकिस्तान के खिलाफ 16 सदस्यीय टीम में से सिर्फ दो ही बदलाव किए हैं। युवा क्रेना मफाका को बाहर किया गया है, जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रिट्ज्के भी टीम में जगह नहीं बना सके हैं। टोनी डि जॉर्जी, रियान रिक्लेटन और एडेन मार्करम शीर्ष क्रम में होंगे। वहीं, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम और बावुमा मध्य क्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे। वेरेने विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाएंगे, जबकि ऑलराउंडर वियान मुल्डर और मार्को यानसेन भी बल्लेबाजी से योगदान देंगे।

गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी वियान मुल्डर और मार्को यानसेन के साथ-साथ कगिसो रबाडा, एनगिडी, डेन पाटेरसन और कॉर्बिन बॉश पर होगी। वहीं, स्पिन विभाग में केशव महाराज और सेनुरन मुथुसामी का विकल्प भी मौजूद होगा। मुख्य कोच शुकरी कॉनराड का मानना है कि टीम में इंग्लिश परिस्थितियों को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के लिए सभी तरह के प्रयास किए गए हैं। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने भी डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम इस प्रकार है...

तेंबा बावुमा (कप्तान), टोनी डि जॉर्जी, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, मार्को यानसेन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, काइल वेरेने, डेविड बेडिंघम, ट्रिस्टन स्टब्स, रियान रिक्लेटन, सेनुरन मुथुसामी, डेन पाटेरसन।

एनेरी डेरक्सन द्वारा चौका लगाए जाने से गुस्साई चमारी अटापट्टू ने की ओछी हरकत, आईसीसी ने ठोका जुर्माना

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना हाल ही में श्रीलंका में संपन्न त्रिकोणीय श्रृंखला के ग्रुप चरण के अंतिम मैच के दौरान दक्षिण अफ्रीका के साथ 32वें ओवर में उस समय हुई, जब एनेरी डेरक्सन द्वारा चौका लगाए जाने के बाद अटापट्टू ने अपना चश्मा उतारकर जमीन पर पटक दिया, जिससे उसके कई टुकड़े हो गए।

यह आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का उल्लंघन है और अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट से जुड़े उपकरणों का दुरुपयोग और मैदान के उपकरणों के फेंकने से संबंधित है। इस अपराध के लिए अटापट्टू पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जर्माना लगाया गया। इसके अलावा 24 महीने की अवधि में पहले अपराध के तहत अटापट्ट पर अनुशासनात्मक कारवाई के तहत एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और डेडुनू डी सिल्वा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल और चौथे अंपायर निमाली परेरा ने अटापट्टू पर आरोप लगाए थे। अटापट्टू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस लिये इस पर और सुनवाई की आवश्यकता नहीं है।

इंदौर में 63 वा ग्रीन कॉरिडोर

इंदौर।इंदौर में 63 वा ग्रीन कॉरिडोर 54 वर्षीय महिला के नवजीवन हेतु किडनी दान का माध्यम बना जो जो डॉ जय जी कृपलानी द्वारा राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में उपचाररत है। भोपाल बंसल हॉस्पिटल में उपचाररत भोपाल निवासी श्रीमती जमुना पति जीवनलाल मेंघवानी (महिला 85 वर्ष) के सीवर ब्रेन हेमरेज के बाद हुई ब्रेन डेथ पर उनके सुपुत्र श्री विकास जी मेंघवानी ने परोपकार भाव से अंगदान की स्वीकृति दी। श्रीमती जमुना जी का प्रथम अपेनिया टेस्ट कल शाम 6:00 पर और दूसरा अपेनिया टेस्ट आज सुबह 11:17 पर संपन्न हुआ। दिवंगत की एक किडनी बंसल हॉस्पिटल में उपचाररत 49 वर्षीय रोगी को और दूसरी किडनी इंदौर राजश्री अपोलो में उपचार चोपन वर्षीय महिला रोगी को आवंटित हुई। महज 3 घंटे में भोपाल,देवास एवं इंदौर ट्रैफिक पुलिस और अंगदान के क्षेत्र में सद्भाव और सहकार करने वाली नागरिको की सहायता से बने ग्रीन कॉरिडोर की सहायता से शाम 6:30 पर बंसल हॉस्पिटल से किडनी निकाल कर महज 3 घंटे में 9:30 पर राजश्री अपोलो हॉस्पिटल में पहुंची और प्रत्यारोपण के लिए चिकित्सा दल के लिए उपलब्ध हो गई। केंद्र सरकार (नोटों)द्वारा बनाए गए विधान के अनुसार कल रात 6:30 बजे भोपाल गांधी मेडिकल कॉलेज के डिन डॉ श्रीमती कविता जी सिंह द्वारा जारी किए गए अलर्ट के बाद इंदौर संभाग आयुक्त श्री दीपकसिंह जी की सतत मॉनिटरिंग में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता और इंदौर सोसाइटी फॉर ऑर्गन डोनेशन के सेक्रेटरी डॉ अरविंद जी घनघोरिया, सोटो मध्य प्रदेश के नोडल ऑफिसर डॉ मनीष पुरोहित,श्री शुभम वर्मा एवं श्रीमती निधि शर्मा सतत कार्यरत रहे एवं पूर्व डीन डॉ संजय दीक्षित का भी अनवरत मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। राजश्री अपोलो हॉस्पिटल के ऑर्गन ट्रांसप्लांट को ऑर्डिनेटर डॉ संजय जैन, बंसल हॉस्पिटल भोपाल की नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ हर्षिता जी शर्मा एवं इंदौर मुस्कान ग्रुप सेवादार जीतू बगानी एवं संदीपन आर्य द्वारा पूरे कार्य प्रबंधन में समन्वय सेवा प्राप्त हुई।

भारत की नींव में बसे आध्यात्मिक ज्ञान की सरल व्याख्या हैं सहजयोग

आध्यात्म का अमूल्य ज्ञान भारत की नींव में बसा है भारतीय संस्कृति के प्रत्येक गहन भाव में, यहां की परंपराओं के रीति नीतियों के आदिकालीन इतिहास के,यहां की जीवन शैली के किसी भी ओर छोर में, किसी भी तत्व में झांकने पर अध्यात्म के गहरे बीज दिखाई देते हैं।

हजारों वर्ष पहले शुरू हुई सत्य को खोजने की गहन जिज्ञासा आज पल्लवित होकर अपनी समूल विशिष्टताओं के साथ बेहद सरल और सहज पद्धति के रूप में हमारे सामने प्रस्तुत है। वे सभी लोग जो अपने जीवन का अर्थ खोज रहे हैं वह सब लोग जो बनावटी तथा आयोजक जिंदगी में बंधे नहीं रह सकते। वे सभी लोग जो स्तरीय संतोष से लुभाए नहीं जा सकते तथा जिन्हें नैतिकता और मानवता के मूलभूत गुणों पर सदा से विश्वास रहा है। उन्हें इस उत्क्रांति के विषय में अवश्य ज्ञान होना चाहिये । हिरणमयेनपात्रेण सत्यस्यापिहितम् मुखम अर्थात सत्य का मुख हिरण्यमय पात्र से ढका हुआ है ईशावास्योपनिषद का यह श्लोक भारतीय अध्यात्म के गूढ़ अर्थ को अपने मेंसमेटे हुए हैं आखिर वह कौन सा सत्य है जिसका मुख स्वर्ण पात्र से ढका हुआ है आज सब इसकी अपनी अपनी व्याख्या करते हैं परंतु वास्तव में

यह सत्य ईश्वर से संपर्क करने का परम सत्य है जिसे पाने के लिए सांसारिक धर्म के स्वर्ण मायाजाल को तोड़ना और उसके पार उतरना होता है यह हिरण्यमय पात्र सांसारिक भ्रम है जो भौतिक सुख की लालसा में और अधिक और अधिक की मांग करता हुआ समय बिता देता है मानव को भ्रमित करता है परंतु यदि यह भ्रम का पर्दा हट जाए तो सर्वमान्य सत्य प्रकट हो जाता है और वह सत्य है आत्मा में बसे हुए ईश्वर का ज्ञान। जिसे हजारों हजार वर्ष पहले खोजा गया। यह ज्ञान सहज योग के माध्यम से सरलता से साधक को प्राप्त होता है। अर्थात ध्यान के अनुभव सिद्ध प्रयोग के द्वारा साधक के भीतर घटित होता है जिससे कि उसके भीतर की भ्रम की सुवर्ण माया हटती है और आत्म तत्व में बसे हुए ईश्वर का उससे साक्षात्कार होता है इसे ही सहज योग में आत्मसाक्षात्कार कहते हैं सहज योग की प्रणिता श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा सहज की ध्यान पद्धति में साधक को अत्यंत सहजता से दिव्य चेतना से जोड़ दिया जाता है। परम चैतन्य से जुड़ने की यह एकाकारिता वहाँ आती है जहां पर कार्य, कारण और परिणाम तीनों का अनुभव होता है। इस योग की प्रक्रिया में ध्यान से जुड़ने की वास्तविक युक्ति सहज योग द्वारा अत्यंत सरलता से निशुल्क सिखाई जाती रही है। इस हेतु वेबस्थली sahajayoga.org.in पर ध्यान या आत्मसाक्षात्कार टाइप कर इसे अनुभव किया जा सकता है। साथ ही टोल फ्री नंबर 18882788888 की सुविधा भी उपलब्ध है।

सूरज के तल्ख तेवरों से दिल्ली में तपिश बढ़ी

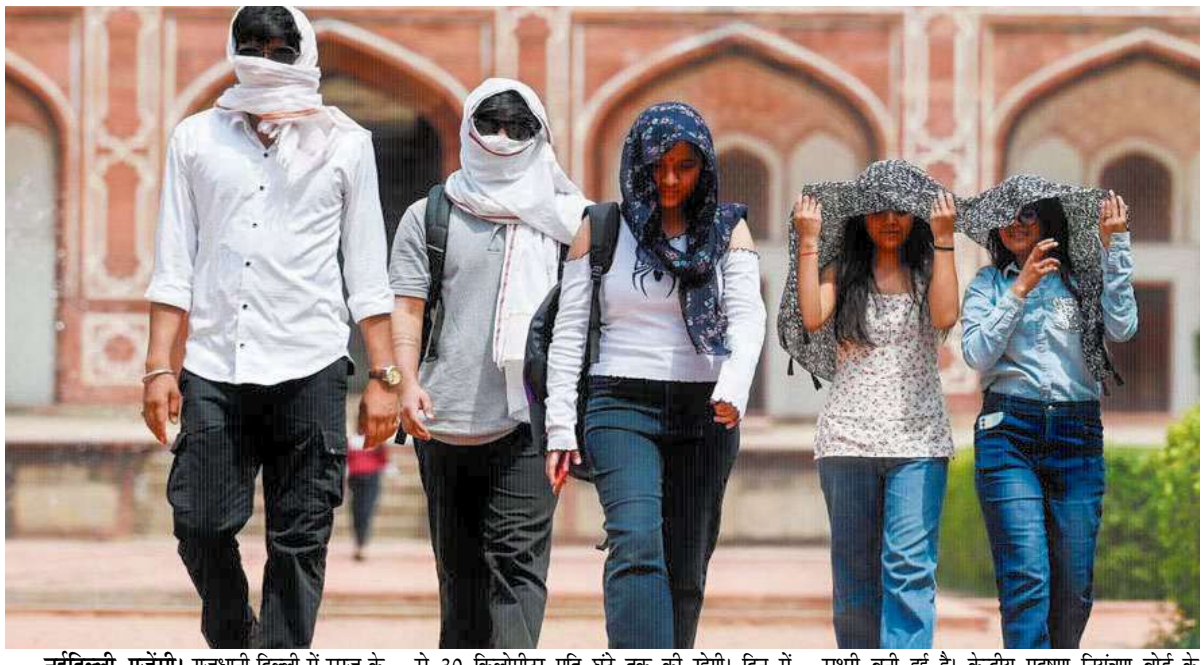

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सूरज के तेवर तल्ख होने से एक बार फिर झुलसाने वाली गर्मी बढ़ने लगी है। सोमवार को तेज धूप के चलते बीते तीन दिनों में ही अधिकतम तापमान में लगभग ढाई डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार से अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार जाने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिनभर की धूप के चलते अब मौसम में तेजी से गर्मी बढ़ेगी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री के बीच पहुंचने की संभावना है। हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहेगी। दिन में आसमान साफ रहेगा, लेकिन बीच-बीच में हल्के बादलों की आवाजाही बनी रहेगी।

ज्यादातर इलाकों में सोमवार सुबह से ही तेज धूप निकली। मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। आर्द्रता का स्तर 64 से 30 फीसदी तक रहा। मौसम के अलग-अलग कारकों की वजह से दिल्ली की हवा साफ-सुथरी बनी हुई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 162 अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का यह साफ-सुथरा स्तर बना रहेगा। बता दें कि, सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

मैं चाहती हूं कि... ; मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया दिल्ली को लेकर अपना सपना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को शहर के लिए अपना सपना बताते हुए कहा कि उन्होंने एक विकसित दिल्ली के निर्माण की जिम्मेदारी पूरी करने का ईश्वर से वादा किया है। मयूर विहार फेज एक में उत्तर गुरुवायुरप्पन मंदिर के 36वें वार्षिकोत्सव में भाग लेते हुए गुप्ता ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि दिल्ली हर तरह से देश का नंबर एक राज्य बने।'

गुप्ता ने लोगों को भरोसा दिलाया कि दिल्ली सरकार लोगों की है और उनके कल्याण के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा, 'हम कंधे से कंधा मिलाकर, कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।' उन्होंने समारोह के दौरान श्रद्धालुओं और समुदाय के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम में आमंत्रित किए जाने के लिए आभार जताया।

दिल्ली को देश का नंबर एक राज्य बनाना चाहते हैं- रेखा गुप्ता: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मंदिर का माहौल उन्हें अन्य दक्षिण भारतीय मंदिरों की याद दिलाता है, जहां वे पहले भी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रहने वाले मलयाली समुदाय ने उसी पवित्र और सांस्कृतिक माहौल को सफलतापूर्वक फिर से बनाया है। सीएम ने कहा, मैं यहां के समुदाय को मुझ पर भरोसा करने और मुझे मुख्यमंत्री के रूप में चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने समारोह में लोगों से आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकरण कराने का भी आग्रह किया और कहा कि स्वास्थ्य योजना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करेगी। इस वार्षिकोत्सव में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पारंपरिक अनुष्ठान, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान उनके साथ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद थे और दोनों ने मिलकर उत्तर गुरुवायुरप्पन मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।